गज़ल

अगर आप चाहें,ये ख्वाब हटा दें
वो नूरी नजारा,रूहों को दिखा दें

1–हर इक रूह के दिल मे शमा जगमगा दे
वो इश्क तरंग फिर से तू जगा दे

2–जहां गम की आंधी हमे छू ना पाये
मेहर को अपनी छाया बना दे

3–ये दिवाने तेरे कहते है तुझसे
दिल से हमारे ये पर्दा हटा दे

4–अगर हम है भूले तो तुम नही भूले
तू चाहत दे तेरी हम जहां को भुला दे